DIPLOMA COURSE IN UG		
Programme: *Diploma Course in ARTS- Hindi*	Year: II	Semester:IV Paper- Minor
Subject: Hindi		
Course Code:	Course Title:हिन्दी भाषा :स्वरूप	

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी को हिन्दी भाषा के विस्तृत व समृद्ध इतिहास व विकास का ज्ञान होता है।
2. शिक्षार्थी को हिन्दी की शैलियों यथा हिन्दी, हिन्दुस्तानी व उर्दू का ज्ञान होता है, जो भाषा के व्यावहारिक प्रयोग में काम आता है।
3. शिक्षार्थी को हिन्दी की बोलियों का ज्ञान होता है, जिसके आधार पर वह अपने भाषा संस्कारों को समृद्ध करता है तथा सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी का प्रयोग अधिक कुशलता के साथ कर पाता है।
4. शिक्षार्थी को राजभाषा के रूप में हिन्दी की संवैधानिक स्थिति का ज्ञान होता है, जिसकी आवश्यकता उसे सरकारी सेवाओं में होती है।
5. शिक्षार्थी विभिन्न व्यावहारिक व व्यावसायिक प्रयोजनों हेतु हिन्दी के मानकीकृत रूप का ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है।
6. शिक्षार्थी कम्प्यूटर व इंटरनेट की तकनीक में हिन्दी के प्रयोग का आरंभिक ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है।

Credits:4	Elective Paper
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 10 +30 =40

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	हिंदी भाषा का उद्भव और विकास।	07
Unit II	हिंदी की शैलियाँ- हिंदी, हिंदुस्तानी, उर्दू।	07

Unit III	हिंदी की उपभाषाएँ एवं बोलियाँ) -1 पश्चिमी हिंदी)2 पूर्वी हिंदी)3 राजस्थानी)4 बिहारी)5 पहाड़ी एवं उसकी बोलियाँ।	07
Unit IV	राजभाषा, राष्ट्रभाषा, मानकभाषा, सम्पर्कभाषा,	10
Unit V	हिन्दी और न्यू मीडिया ।	05
Unit VI	देवनागरी लिपि एवं अंक।	07
Unit VII	निबंध लेखन।	06
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	49 11 Total-60

सहायक ग्रंथ

1 डॉ .केशवदत्त रुवाली -हिंदी भाषा :प्रथम भाग, हिंदी भाषा :द्वितीय भाग

2. डॉ .धीरेन्द्र वर्मा -हिंदी भाषा का इतिहास।

3. डॉ .भोलानाथ तिवारी -हिंदी भाषा।

4. डॉ .देवेन्द्र नाथ शर्मा –हिंदी भाषा का विकास।

5. डॉ .कैलाश चंद्र भाटिया -प्रशासन में राजभाषा का स्वरूप और विकास।

6. डॉ .पूरनचंद्र टण्डन -व्यावहारिक हिंदी।